राधा मोहन सिंह
RADHA MOHAN SINGH

सत्यमेव जयते

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF AGRICULTURE
& FARMERS WELFARE
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

भारत जैसे विशाल और विभिन्न संस्कृतियों वाले राष्ट्र में जहां भौगोलिक, सांस्कृतिक विविधता है, वहां एक बहुभाषा–भाषी व सहिष्णु संस्कृति ही लोगों को जोड़ने का काम कर सकती है। हिन्दी को इस कसौटी पर खरा उतरता देखकर ही 14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा ने इसे सर्वसम्मति से भारत की राजभाषा घोषित किया। इसका प्रस्ताव प्रसिद्ध तमिल विद्ववान श्री गोपालस्वामी आयंगर ने किया था। न केवल श्री पट्टाभि सीतारमैया बल्कि महाकवि सुब्रहमण्यम भारती भी हिन्दी के पक्षधर थे। महात्मा गांधी ने कहा था कि राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है यदि हम भारतीय देश–विदेश में हिन्दी को स्थापित करने एवं मन से अपनाने के लिए संकल्प लें तो बहुत जल्द हिन्दी विश्व की भाषा बन सकती है। विदेशों में लगभग 200 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी विभागों की स्थापना की जा चुकी है जहां विदेशी लोग बड़े उत्साह से हिन्दी सीख रहे हैं। विश्व में बोली जाने वाली भाषाओं में हिन्दी तीसरे नंबर पर है। हिन्दी बहुत ही सरल और सुबोध भाषा है। अतः हिन्दी को विश्व भाषा बनाने के लिए सरकारी स्तर पर और व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से हमें सघन प्रयास करने की आवश्यकता है।

यह भाषा सरल, स्वाभाविक और सर्वग्राह्य तभी हो सकेगी जब अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करके सब के योगदान से इसके शब्द भंडार को समृद्ध किया जायेगा। सरकारी कामकाज की भाषा भी जटिल, बोझिल और कृत्रिम नहीं होनी चाहिए। हिन्दी को लोकप्रिय बनाने और सरकारी कामकाज में इसे सरल, सहज और बोधगम्य बनाने की दृष्टि से भारत सरकार के राजभाषा विभाग ने 17 मार्च 1976 को निर्देश जारी किए थे कि सरकारी कार्यालयों में बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया जाए।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के देशभर में फैले संस्थानों, निदेशालयों, ब्यूरो, केन्दों, क्षेत्रीय केन्द्रों कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषि से संबंधित समग्र उपलब्धियों, तकनीकों और क्रियाकलापों में हिन्दी का सर्वाधिक प्रयोग करके इन उपलब्धियों को आम जनता तक उनकी भाषा में पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। परिषद के 87वें स्थापना दिवस पर माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई परिषद की अनेक पहलों, जैसे कि फार्मर्स फर्स्ट, स्टूडेंस रेडी, आर्या, आदि की लोकप्रियता संबंधित हितधारकों के बीच तभी बढ़ेगी जब इनका प्रचार–प्रसार हिन्दी तथा स्थानीय भाषाओं में किया जाएगा।

मैं हिन्दी चेतना मास–2016 के अवसर पर परिषद के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का आह्वान करता हूँ कि इस शुभ अवसर पर अपना समस्त कार्य हिन्दी में ही करने का संकल्प लें और सुनिश्चित करें कि राजभाषा हिन्दी के सतत विकास हेतु पूर्ण योगदान देंगे ताकि राजभाषा को विश्व स्तर पर सर्वोच्च स्थान व सम्मान मिल सके।

(राधा मोहन सिंह)

Office : Room No. 120, Krishi Bhawan, New Delhi-110 001 Tel.: 23383370, 23782691 Fax : 23384129